



जॉली

जिलेट नैरेटिव — नांदो, लेखक

gillettenarrative.com

हर राज्य में, राजा और रानी के अलावा, एक दरबारी विदूषक होता था जिसका काम था लोगों को हँसाना या रुलाना — जो भी उस पल की माँग हो।

एक राजा की कहानी है जिससे यह बरदाश्त नहीं होता था कि उसका गधा हमेशा रोता रहता है। उसने पूरे राज्य में एक फ़रमान जारी किया: जो कोई उस जानवर को मुस्कुरा दे, उसे वह भरपूर इनाम देगा।

कालाब्रिया से एक आदमी आया — नरम मिज़ाज, दयालु, पर चौंका देनेवाला — जिसने यह चुनौती स्वीकार की और सिर्फ़ एक डॉलर माँगा।

उसने गधे के कान में कुछ फुसफुसाया, और गधा तुरंत ठहाका मारकर हँस पड़ा, और रुकने का नाम ही नहीं ले रहा था।

महीने बीत गए। राजा इस बात से चिढ़ने लगा कि उसके राज्य में कोई चीज़ हर वक़्त हँसती रहती है। सो उसने उस कालाब्रियावासी को फिर बुलवाया और उससे गधे की उदासी लौटा लाने को कहा। और ठीक उनकी मुलाक़ात के बाद, वैसा ही हुआ।

वह एक राजा रह चुका था, पर उससे पहले, अमेज़न का एक शेरधारक। जिज्ञासा ने उसे इस बात के लिए उकसाया कि गधे से कही गई उन दो बातों के पीछे के रहस्य के लिए वह कोई भी रक़म देने को तैयार हो जाए।

फ़्रेगा-संस्करण

कालाब्रियावासी ने, शांत और बेपरवाह, कहा: “पहली बार, मैंने गधे से कहा कि एक आदमी ने, जिसके पास बस एक किताब थी — 2,000 साल पहले लिखी गई, केवल एक भाषा में, महज़ दो संस्करणों में, पुराना और नया — अरबों प्रतियाँ बेच दीं, वह भी अमेज़न के बिना। वह हँस पड़ा। फिर मैं लौटकर गया और उसे यही बात दिखाई, तो वह वापस रोने लगा।”

सार्वजनिक संस्करण

कालाब्रियावासी ने, शांत और बेपरवाह, कहा: “पहली बार, मैंने गधे से कहा कि उसके पास कुछ ऐसा है जो राज्य के किसी और गधे के पास नहीं। वह हँस पड़ा। दूसरी बार, मैंने उससे कहा कि मुझे एक और ऐसा गधा मिल गया है जिसके पास भी वही चीज़ है। वह वापस रोने लगा।”

उपसंहार

यह कहानी सिखाती है कि जॉली वह है जिसकी आप कभी उम्मीद नहीं करते, और जिसके नतीजे कभी पहले से भाँपे नहीं जा सकते। बाक़ी सारी शक्तियाँ व्यवस्था ढूँढ़ती हैं। जॉली अव्यवस्था लाता है।

एक प्लेटफ़ॉर्म बाज़ार बदल देता है। एक एल्गोरिद्म किसी व्यवहार को खिसका देता है। कोई अनजान व्यक्ति कुछ प्रकाशित कर देता है। कोई एआई एक नई संभावना गढ़ देती है। किसी ने इसकी पहले से कल्पना नहीं की थी। फिर भी यह घटित होता है। जॉली सबसे बलवान नहीं है। वह सबसे कम क़ाबू में आनेवाला है। वह तब प्रकट होता है जब व्यवस्थाएँ यह मान बैठती हैं कि वे स्थिर हो चुकी हैं। वह एक याद दिलाता है कि हर मानवीय रचना में एक अप्रत्याशित चर छिपा होता है। जॉली भविष्य है, जो बिना दस्तक दिए चला आता है।

फर्दिनांदो